नागार्जुन

काव्यांश 1

विषय-

1. 'धूलि-धूसर', 'परस पाकर' इत्यादि में अनुप्रास अलंकार है।
2. मृतक, जलजात पाषाण इत्यादि तत्सम शब्दों का प्रयोग किया गया है।
3. जलजात में रूपक अलंकार की छटा है।
4. भाषा सरल है।

काव्यांश 2

विषय-

1. 'आँख लूँ मैं फेर' मुहावरे का सटीक प्रयोग है।
2. भाषा सरल है।
3. स्त्री के महत्व को दर्शाया गया है।

काव्यांश 3

विषय-

1. 'तब तुम्हारी' में अनुप्रास अलंकार है।
2. मुहावरेदार भाषा है। इसमें 'कनखी मार' तथा 'आँखें चार' मुहावरे हैं।
3. भाषा सरल है।
4. वात्सल्य रस प्रवाहित हो रहा हाे।

काव्यांश 4

विषय-

1. लाख-लाख, कोटि-कोटि, हज़ार-हज़ार इत्यादि में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
2. इसकी भाषा सरल है।
3. गेयता का गुण विद्यमान है।

काव्यांश 5

विषय-

1. प्रथम पंक्ति में प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया है।
2. इसकी भाषा सरल है।
3. गेयता का गुण विद्यमान है।